

प्रिय गणेश

मलवीय
कोटिकी जीकर पत्र २८ प्रकार है :-

समाचार पत्रों में यह पटक मुझे

ग्राह्य है हुआ कि मैं कुछ साहित्यिक मित्रों (संस्थाओं) में पूट के जन्मदिवस का उत्सव मनाना चाहते हैं जो इसी माह की दशमी के पड़ (है)। मैं इस कृपा के लिये उन सबका हृदय से कृतज्ञ हूँ। ग्रामा मानता हूँ कि गुरु के साथ कहना पड़ता है कि कमसे कम सभी में अपने को इस सम्मान के योग्य नहीं मानता। हिन्दी के अनेक महान तंत्रों को हम हिन्दीवाले भूल चुके हैं। पहले हमें उनकी स्मृति के प्रति अपना प्रायः भाव प्रकट करना जरूरी है यदि हम अपने ग्राहकों को ऊँचा बनाये (लाना चाहते हैं) तो जैसे नवयुवक सभी एक सकते हैं। एकना चाहिये। इसी वष २८ अक्टूबर को हिन्दी के एक शीर्ष तंत्र बालमुकुन्द जी का जन्मशती पड़ (है)। मैं अपने मित्रों को इस की जन्मशती पड़ (है)। मैं अपने मित्रों को प्रशंसकों से प्रार्थना करता हूँ कि वे पहले अपनी मारी शक्ति इस महान साहित्यिक की स्मृति के प्रति प्रयोजित सम्मान प्रकट करने में लगायें। एतद्विषयी उत्सवों को सफल बनाने में जुट जायें। महान व्यक्तियों के प्रति सम्मान प्रकट करने हम अपना ही सम्मान बढ़ाते हैं।

(पञ्चकान्त मालवीय)

- 9- श्री ओधरी - P.T.I. *Holm*
- 2- श्री वर्मा - "
- 3- श्री स्वामीनाथन - U.R.I.
- 4- श्री उमाशंकर - आज
- 5- श्री कोकणे - Indian Express
- 6- श्री विष्णुकांत मलवीय, T.P.I.
- 7- श्री मन्ना लाल शीवात्रेय - परिभा
- 8- श्री कुल्लू सर - "
- 9- श्री दुर्गे, विनयकुमार - "
- 10- श्री एन.डी. अग्रवाल - एनीडा मात
- 11- श्री शंकर दयाल शीवात्रेय - "
- 12- श्री हॉबस - "
- 13- श्री दोश यदु - "
- 14- श्री आनंद रजिपानी - "
- 15- श्री उदय नारायण सिंह - "
- 16- जे. रामकिशोर मलवीय - "
- 17- बालकृष्ण एव - "
- 18- विद्यानाथ - "

- १५ - मे. मोहन लाल सिंह X
- ✓ २० - श्री लाल सिंह
- 21 - देव दत्त शाह
- ✓ 22 - जोरियोगि सिंह मिश्र
- ✓ 23 - लालकान्त तिवारी - डिप्टी
- ✓ 24 - श्री कृष्ण दास
- 25 - प्रमोद लाल पांडेय
- 26 - सुखदेव लाल (कां)
- 26 - राजेंद्र लाल
- 27 - महेंद्र प्रताप सिंह
- 28 - राजेंद्र लाल
- 30 - (जनी कांतवनी)
- 31 - कुलकर्णी
- 32 - श्री कांत लाल सिंह